श्री सूत्रकृताङ्गसूत्र भाग तीसरे की विषयानुक्रमणिका

अनुक्रमांक	विषय	पृष्ठ
	प्र० श्रु० नववां अध्ययन	
१	धर्मके स्वरूपका निरूपण	१–८४
	दसवां अध्ययन	
२	समाधिके स्वरूपका निरूपण	८५–१५८
	ग्यारहवां अध्ययन	
३	मोक्षके स्वरूपका निरूपण	१५९–२३७
	बारहवां अध्ययन	
४	समवसरण के स्वरूपका निरूपण	२३८–३१५
	तेरहवां अध्ययन	
५	याथातथ्य का निरूपण	३१६–३८९
	चौदहवां अध्ययन	
६	ग्रंथ के स्वरूपका निरूपण	३९०–४८२
	पन्द्रहवां अध्ययन	
७	आदानीय स्वरूपका निरूपण	४८३–५६०
	सोलहवां अध्ययन	
८	विधिनिषेधका निरूपण	५६१–५८४

॥ समाप्त ॥